an>

title: Need to permit removal of sand from farm fields deposited by Yamuna.

श्री धर्मवीर (भिवानी-महेन्द्रगढ़) : दिल्ली और हरियाणा की सीमा का निर्धारण यमुना के बहाव पर निर्भर है। यमुना की अपनी कोई जमीन नहीं है, सारी जमीन काश्तकारों की है। बारिश व बाढ़ के दौरान 5 से 9 लाख क्यूसेक पानी छोड़ा जाता है जिसके कारण काश्तकारों की जमीन में 8 से 10 फुट तक की रेत जमा हो जाती है जिससे किसान अपनी जमीन में खेती नहीं कर पाते। दूसरी ओर पर्यावरण विभाग की अनुमति नहीं होने के कारण किसान उस रेत को अपनी जमीन से हटवा नहीं पाते। इसके कारण भवन निर्माण सामग्री भी महंगी हो जाती है।

अतः मेरा केन्द्र सरकार से आग्रह है कि किसानों को अपनी खेती की जमीन से रेत हटवाने की अनुमति दिए जाने हेतु तत्काल आदेश दिए जाएं ताकि वे अपने खेतों से रेत हटाकर उस पर खेती कर सकें, साथ ही साथ रेत उचित मूल्यों पर भवन निर्माण हेतु उपलब्ध हो सके।